

## श्री वीर तेजाजी किसान जाट छात्रावास, ओसियां, जोधपुर

1. संस्था के नाम व पता – श्री वीर तेजाजी किसान जाट छात्रावास, ओसियां, जोधपुर

रजिस्ट्रेशन सं.— 248/जोधपुर/1996-97

2. इतिहास – आजादी के बाद भी स्कूलों का विस्तार धीरे-धीरे हुआ, इसलिए ग़ामीण छात्रों को शहरों तथा कस्बों में जाकर पढ़ना पड़ता था । ओसियां तहसील के गाँवों के हालत भी ऐसे ही थे, इसलिए तहसील मुख्यालय पर किराणे की दुकान करने वाले मुल्तानाराम जाणी पढ़ने वाले छात्रों की आवासीय सुविधाओं का प्रबंधन करते थे । सन् 1969-70 में मुल्तानाराम जाणी ने अपना स्वयं का प्लॉट खरीदकर मकान बनाया और जिस समय यहाँ पर जाट छात्रों के रहने की कोई व्यवस्था नहीं थी उस समय मुल्तानाराम जाणी ने छात्रों को अपने पास रखना शुरू कर दिया। सन् 1975 में मुल्तानाराम जाणी ने समाज के लिए जगह तलाशनी शुरू कर दी और शेराराम डेम्बा के नेतृत्व में उपखण्ड अधिकारी, कोर्ट के पास भूमि पर पत्थर, छीणें (भवन निर्माण सामग्री) डाल दी यह देखकर अन्य समाज विशेष के लोगों ने विरोध करना शुरू कर दिया। उस समय मुल्तानाराम जाणी के मकान में समाज के छात्र अध्ययन के लिए रहा करते थे और मुल्तानाराम जाणी एक जिम्मेदार अभिभावक के नाते समाज के छात्रों के साथ परीक्षा इत्यादि दिलाने स्कूल जाते रहते थे। समाज के लोगों ने मुल्तानाराम जाणी का सहयोग किया और समाज ने जाट छात्रावास की स्थापना के प्रयास शुरू किये। समाज बन्धुओं के लम्बे प्रयास के बाद सन् 1979 में सर्वप्रथम छात्रावास हेतु जमीन खरीदी। पंजीकृत संस्थान के अभाव में इस भूमि की खरीद व्यक्तिगत नाम से की गयी। धीरे-धीरे कुछ और प्लॉट खरीदकर कुल 2.5 बीघा जमीन छात्रावास के लिए ली गई । मुल्तानाराम जाणी का उद्देश्य था कि स्वयं के घर के पास छात्रावास होने से छात्रों की देखरेख तथा छात्रावास संचालन सुगम हो सकेगा । उसी वर्ष मुल्तानाराम जाणी व समाज के लोगों के अथक प्रयासों से श्री वीर तेजाजी किसान जाट छात्रावास की नींव रखी गयी और विषम परिस्थितियों में जाट समाज के प्रत्येक वर्ग से थोड़ा-थोड़ा सहयोग प्राप्त करके छात्रावास भवन बनाना शुरू किया। सन् 1997 फरवरी में श्री वीर तेजाजी किसान जाट छात्रावास संस्थान, ओसियां के पंजीयन हेतु समाज की बैठक में प्रस्ताव लिया गया । 3 मार्च 1997 को श्री वीर तेजाजी किसान छात्रावास के नाम से संस्था रजिस्टर्ड (रजिस्ट्रेशन नं. 248/जोधपुर/96-97) करवाई गई। 05 अप्रैल 2001 को ग़ाम पंचायत ओसियां से समाज की 2.5 बीघा जमीन के पट्टे हेतु आवेदन किया और तत्काल ही समाज के नाम पट्टा प्राप्त हो गया। छात्रावास ओसियां रेलवे स्टेशन के सामने पुलिस थाने के पास बना हुआ है। शुरुआत में 07 कमरे ही बन सके थे लेकिन आज 80 कमरे, 10 मेन रोड की दुकानें, एक विशाल हॉल व अन्य आवश्यक सभी सुविधाएँ बनी हुई हैं । इसके अतिरिक्त अन्य भूमि सन् 1985 में श्रीमती कवरीदेवी व पुनाराम गोदारा की चार बीघा जमीन जो चाडी चौराहे पर स्थित है, को मुल्तानाराम जाणी ने समाज बन्धुओं के सहयोग से खरीद कर जाट समाज संस्थान के नाम से रजिस्ट्ररी करवाई जिस पर 4 कमरे मय दुकानें व चारदीवारी बनी हुई हैं। श्री वीर तेजाजी किसान जाट छात्रावास, ओसियां के समय-समय पर मुल्तानाराम जाणी, श्री वीर तेजाजी किसान छात्रावास के संस्थापक एवं नींव के पत्थर कहे जाते हैं। 15 जून 2021 को को

मुल्तानाराम जाणी का निधन हो गया। मुल्तानाराम जाणी जीवन पर्यन्त मृत्युभोज, बाल-विवाह, दहेज प्रथा व नशा प्रवृत्ति के खिलाफ जनजागरण करते रहे। स्वयं अनपढ़ होते हुए मुल्तानाराम जाणी ने 40 साल तक ओसियां क्षेत्र में शिक्षा प्रसार के कार्यों के साथ छात्रावास संचालन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

**बाबा मुल्तानाराम जाणी जीवनी –**

### **3. कार्यकारिणी – अध्यक्ष कार्यकाल–**

1. श्री रामुराम हुड्डा – (1979–1980),
2. श्री लादुराम ग्वाला – (1980–81),
3. श्री दीपाराम माचरा – (1981–2000),
4. श्री बाबुलाल फिड़ौदा – (2000–2010)
5. श्री भंवरलाल बैरड़ – (2011–2017)
6. श्री दीपाराम माचरा सन् 2018 से निरंतर अध्यक्ष हैं।

### **प्रथम कार्यकारिणी – छात्रावास निर्माण की प्रथम कमेटी–**

1. श्री रामुराम हुड्डा–अध्यक्ष,
2. श्री चुनाराम – उपाध्यक्ष,
3. श्री मुल्तानाराम जाणी कोषाध्यक्ष चुने गये।
4. सदस्य – शेराराम डेम्बा, भोमाराम गोदारा, केशूराम सियाग, किसनाराम साई, केशूराम डोगीयाल (झथख), हेमाराम भाम्बू, लादुराम ग्वाला, अर्जुनदेव डऊकिया, तेजाराम बाना, हगुताराम कड़वासरा, पेमाराम हरडू, साजनराम डोगीयाल, रूगनाथराम कड़वासरा, लादुराम डोगीवाल, मोहनराम साई, चलाराम जांगू, सोनाराम बेनीबाल, सताराम जाणी, मानाराम थोरी, भीयाराम खोत, केहराराम ढाका व हरजीराम इत्यादी अनेक समाज के लोगों के सहयोग से छात्रावास का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया।

### **वर्तमान कार्यकारिणी –**

4. **भौतिक संसाधन** – यह छात्रावास कस्बे के मध्य 2.5 बीघा जमीन पर बना हुआ है जिसमें 80 आवासीय कक्ष, एक सभा कक्ष, एक रसोईघर, एक भोजनालय, एक पुस्तकालय एवं अन्य सुविधाएँ हैं। संस्था में आगे 09 दुकाने व 12 व्यावसायिक गोदाम बने हुए हैं। जिनसे संस्था को आय होती है। इसी संस्था के पास 04 बीघा जमीन चाही रोड़ पर और है।

### **दानदाता सूची –**

5. **विद्यार्थी विवरण** – इस छात्रावास में शुरू से स्कूल एवं कॉलेज दोनों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थी रहते हैं। संसाधन वृद्धि के साथ-साथ विद्यार्थियों की संख्या बढ़ती गई, जिसका वर्षवार विवरण इस प्रकार है–

## 6. भावी योजनाएँ –

- कोरोना काल के बाद हॉस्टल में छात्र संख्या घट गई थी, इसलिए नए शिक्षा सत्र में नवीन नियमावली के साथ मापदण्डों के अनुरूप अधिकाधिक छात्रों को प्रवेश दिलाना।
- संस्था में विद्यार्थियों की सेल्फ स्टडी के लिए बड़ी लाइब्ररी का निर्माण करवाना ताकि विद्यार्थियों को संख्या में ही अध्ययनानुकूल वातावरण मिले।
- ओसिर्यो में जनजागृति के नायक बाबाश्री मुलतानाराम की मूर्ति चाही रोड़ स्थित जमीन में लगवाना ताकि उनकी स्मृति को चिरस्थायी बनाया जा सके।
- श्री कर्माबाई शिक्षण संस्थान में बालिका छात्रावास का निर्माण करवाकर शुरू करवाना।